Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण   शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण नौ, दस

उपविषय - मुहावरे

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 31 पर दिए मुहावरों पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! 'मुहावरा' शब्द हिन्दी भाषा में अरबी भाषा की देन है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'अभ्यास' या बातचीत। ऐसा शब्द, वाक्यांश, वाक्य जो सामान्य से भिन्न किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराए और सामान्य अर्थ से भिन्न किसी और अर्थ में रूढ़ हो जाए, उसे 'मुहावरा' कहते हैं। लोकजीवन में प्रयुक्त भाषा में इनका उपयोग बड़े ही सहज रूप में होता है। इनके प्रयोग से भाषा को प्रभावशाली, मनमोहक तथा प्रवाहमयी बनाने में सहायता मिलती है। सदियों से इनका प्रयोग होता आया है और आज भी इनके अस्तित्व को भाषा से अलग नहीं किया जा सकता। यह कहना निश्चित रूप से गलत नहीं होगा कि मुहावरों के बिना भाषा अप्राकृतिक तथा निर्जीव जान पड़ती है।

हिन्दी भाषा में मुहावरों पर यदि अध्ययन किया जाए तो इनकी कोई सीमा नहीं है। सहस्रों मुहावरे हैं, जिनको संकलित करना अत्यंत कठिन कार्य है। इसी बात को ध्यान में रखते आपकी पुस्तक में कुछ

कक्षा - नौवीं
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (मुहावरे)

आवश्यक तथा महत्त्वपूर्ण मुहावरे दिए गए हैं। पिछले सत्र में आपने एक से पैंतीस तक मुहावरे किए थे। अब हम आगे के कुछ और मुहावरों पर चर्चा करेंगे।

36. काला अक्षर भैंस बराबर - अनपढ़
कुछ ग्रामीण औरतों के लिए तो आज भी काला अक्षर भैंस बराबर है।

37. कान खड़े होना - सचेत होना
चोरों के गाँव के आस-पास छिपे होने की खबर सुनकर पुलिस के कान खड़े हो गए।

38. कान भरना - चुगली करना
वह अपने साथियों द्वारा कान भरने पर अपने ही भाई से लड़ बैठा।

39. कलई खुलना - भेद खुलना
रिश्वत लेते पकड़े जाने पर कृष्ण की ईमानदारी की सबके सामने कलई खुल गई।

40. काल के गाल में समा जाना - मृत्यु हो जाना
जापान में आई सुनामी से हज़ारों लोग काल के गाल में समा गए।

41. खून खौलना - जोश आना / क्रोध आना
मेघनाद की मृत्यु का समाचार सुनकर रावण का खून खौल गया।

42. खाला जी का घर - आसान काम
आजकल अच्छी नौकरी प्राप्त करना कोई खाला जी का घर नहीं है।

43. गड़े मुर्दे उखाड़ना - पुरानी बातें दोहराना
अब तो पिछली बातें भुलानी पड़ेंगी क्योंकि गड़े मुर्दे उखाड़कर कोई फायदा नहीं होगा।

44. गागर में सागर - थोड़े से शब्दों में अधिक कहना
वाक्य - कवि बिहारी के दोहों में गागर में सागर भरा हुआ है।

45. गले का हार - बहुत प्यारा होना

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (मुहावरे)

मेधावी छात्र अध्यापकों के गले के हार होते हैं।

46. गाल बजाना - डींग मारना
रमेश को कुछ आता तो है नहीं, पर सबके सामने गाल बजाना शुरू कर देता है।

47. गुदड़ी का लाल - सामान्य जगह पर गुणी व्यक्ति का होना
लाल बहादुर शास्त्री साधारण परिवार में जन्मे थे परन्तु उनके कार्यों ने उन्हें गुदड़ी का लाल बना दिया।

48. गुड़ गोबर करना - काम बिगाड़ देना
पार्टी अच्छी चल रही थी, लेकिन कुछ लोगों ने शराब पीकर सब गुड़ गोबर कर दिया।

49. घोड़े बेचकर सोना - निश्चिंत होकर सोना
आप घोड़े बेचकर सोए हुए हो, चोर आपका सारा घर लूटकर ले गए।

50. घड़ों पानी पड़ जाना - अत्यंत लज्जित होना
घर का भेद खुलते ही उस पर घड़ों पानी पड़ गया।

51. घाव पर नमक छिड़कना - दु:खी को और दु:ख देना
राधा तो पहले ही अपने ससुरालवालों से दु:खी है, फिर उससे बातें पूछ-पूछ कर क्यों उसके घाव पर नमक छिड़क रहे हो।

52. घी के दीए जलाना - खुशी मनाना
श्री रामचंद्र के चौदह वर्ष के वनवास काट कर अयोध्या वापस आने पर लोगों ने घी के दिए जलाए।

53. घास काटना - व्यर्थ समय खोना
सारी उम्र मैंने घास नहीं काटी है। मेरा अपना भी जीवन का कुछ अनुभव है।

54. घाट-घाट का पानी पीना - बहुत अनुभवी होना
संदीप ने घाट-घाट का पानी पिया है। तुम उससे नहीं जीत पाओगे।

55. चंपत होना - भाग जाना
कुलवंत का नौकर सारे आभूषण लेकर चंपत हो गया।

56. चादर के बाहर पैर पसारना - आमदनी से बढ़कर खर्च करना
खेमचंद की आर्थिक स्थिति आज बहुत खराब है, यह उसके चादर के बाहर पैर पसारने का नतीजा है।

57. चोली दामन का साथ - पक्का संबंध
मोहन और श्याम को कोई अलग नहीं कर सकता, उनका तो चोली - दामन का साथ है।

58. चल बसना - मर जाना
रामू के पिता जी लंबी बीमारी के बाद चल बसे।

59. चूड़ियाँ पहनना - कायर बनना
देश पर संकट हो तो चूड़ियाँ पहनकर क्यों बैठें? हम भी लड़ने के लिए तैयार रहेंगे।

60. चाँद पर थूकना - (किसी बड़े पर दोष लगाना
महात्मा बुद्ध की निंदा करना चाँद पर थूकना है।

गृहकार्य

सभी छात्र आज करवाए गए मुहावरे काला अक्षर भैंस बराबर से लेकर चाँद पर थूकना (36 से 60 तक) पढ़ेंगे एवं अपनी- अपनी व्याकरण की पुस्तिका में इन्हें लिखेंगे एवं याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]